भारत सरकार

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4187** जिसका उत्तर

शुक्रवार, 20 दिसंबर, 2024/29 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा

†4187. श्री अरविंद धर्मापुरी :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार द्वारा भारत-मध्यपूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को संभालने की तैयारी हेतु भारतीय पत्तनों का उन्नयन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;

(ख) देश के सभी प्रमुख पत्तनों पर अवसंरचना सुधार के लिए आबंटित और उपयोग की गई निधियों की धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) आईएमईसी गलियारा की आवश्यकताओं के अनुरूप पत्तनों की क्षमता और संपर्क बढ़ाने में कितनी प्रगति हुई है?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री

(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ग): पश्चिम तट के महापत्तनों अर्थात् दीनदयाल पत्तन और जवाहरलाल नेहरू पत्तन ने पत्तन अवसंरचना का उन्नयन करने के लिए पिछले दशक में लगभग 11773 करोड़ रु. का निवेश किया है। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 76,220 करोड़ रु. की अनुमानित परियोजना लागत से महाराष्ट्र के वधावन में एक नए महा ग्रीन फिल्ड पत्तन के विकास को अनुमोदित किया है। वधावन पत्तन में 20 मी. का प्राकृतिक डुबाव है और प्रतिवर्ष 298 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) की संचयी क्षमता है जो विशाल आकार वाले न्यू जनरेशन जलयानों को हैंडल करने की आवश्यकता को पूरा करता है। इसके साथ-साथ, आईएमईसी पर भारत और यूएई के बीच फ्रेमवर्क करार के तहत वर्चुअल ट्रेड कॉरीडोर (वीटीसी) को सॉफ्ट लांच किया गया है। इन पत्तनों में इनका उन्नयन/ विकास, भारत- मध्यपूर्व- यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईएमईसी) की आवश्यकताओं के साथ संरेखित किया गया है।

*****